MAHD-05

December - Examination 2017

MA (Final) Hindi Examination

नाटक और कथेतर गद्य विधाएँ

Paper - MAHD-05

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) ''अनघ'' गीतिनाट्य के रचनाकार कवि का नाम लिखिए।

(ii) जयशंकर प्रसाद के नाटक 'विशाख' के कथानक की ऐतिहासिकता कहाँ से ली गई है?

(iii) नाटक और रंगमंच का परस्पर क्या संबंध है?

(iv) 'खेलतमाशा' और 'सन्निपात चिकित्सा' जैसी व्यवहारोपयोगी पुस्तकों के रचनाकार कौन है?

(v) 'अतीत के चलचित्र' 'शृंखला की कड़ियाँ' जैसी रचनाओं का सम्बन्ध किस रचनाकार से है?

(vi) निर्मल वर्मा द्वारा रचित किन्हीं दो उपन्यासों के नाम बताइए।

(vii) 'आवारा मसीहा' रचना, साहित्य की किस गद्य विधा से सम्बंधित है?

(viii) 'निबन्ध' को परिभाषित कीजिए।

(खण्ड – ब) **$4 \times 8 = 32$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''वह व्यवस्था या वृत्ति, जिससे लोक में मंगल का विधान होता हो 'अभ्युदय' की सिद्धि होती है, धर्म है। अतः अधर्म वृत्ति को हटाने में धर्म–वृत्ति की तत्परता – चाहे वह उग्र और प्रचण्ड हो, चाहे कोमल और मधुर हो – भगवान के आनन्द कला के विकास की ओर बढ़ती हुई गति है। वह गति यदि सफल हुई तो धर्म की जय कहलाती है। इस गति में भी सुन्दरता है और इसकी सफलता में भी। गति में सुन्दरता रहती ही है। आगे चलकर चाहे वह सफल हो, चाहे विफल। विफलता में भी एक निराला ही विषण्ण सौन्दर्य होता है।''

3) ''पहाड़ों पर चाँदनी का अद्‌भुत मायाजाल मैंने पहली बार देखा था और एक अलौकिक विस्मय से मेरी आँख मुद गयी थी। उस रात मुझे लगा था कि पहाड़ों में भी साँप की आँख जैसा एक अविस्मृत जादुई सम्मोहन होता है।''

निम्न गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

4) ''न जाने कितने दुखों के बीच से होकर उन्होंने यह सुख पाया था। दोनों न जाने कितनी–कितनी देर तक बातें करते रहते। एक – दूसरे की आँखों में झाकते रहते। दफ्तर के मित्रों ने उसे स्त्रैण कहना शुरू कर दिया। लेकिन उसने किसी बात की चिन्ता नहीं की। मिस्त्री पल्ली के लोग पुकारते तभी वह हौमियोपैथी का बक्स उठाकर बाहर निकलता या फिर कभी अध्ययन लेखन की प्रेरणा होती तो नयी अनुभूति के साथ साधना में लग जाता, नहीं तो उसका संसार शान्ति में सीमित होकर रह गया था।''

5) 'ठिठुरता हुआ गणतंत्र' के कथ्य पर प्रकाश डालते हुए इसका शीर्षक – औचित्य सिद्ध कीजिए।

6) ''मेरे राम का मुकुट भीग रहा है'' निबन्ध का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

7) 'एक दुराशा' निबन्ध में अंग्रेजी राज और उसके प्रतिनिधि का चरित्र उद्‌घाटन किस प्रकार हुआ है? स्पष्ट कीजिए।

8) 'आधे–अधूरे' नाटक टूटते–बिखरते परिवार का यथार्थ अंकन है।'' इस कथन की सोदाहरण पुष्टि कीजिए।

9) हिन्दी गीतिनाट्य परम्परा में 'अंधायुग' का स्थान निर्धारित कीजिए।

(खण्ड – स) $2 \times 16 = 32$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप को अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित करना है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) जयशंकर प्रसाद के नाट्य साहित्य का परिचय देते हुए 'चन्द्रगुप्त' नाटक की तात्विक समीक्षा कीजिए।

11) धर्मवीर भारती की नाट्य दृष्टि को स्पष्ट करते हुए 'अंधायुग' में चरित्र विधान' पर एक लेख लिखिए।

12) 'काव्य में लोक मंगल की साधनावस्था' निबन्ध की संवेदना और शिल्प के विविध धरातलों का विवेचन कीजिए।

13) 'निबन्ध' की परम्परा और विकास का वर्णन कीजिए।